ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वरनगर, दरभंगा

पी-एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत

शोध-प्रारूप

विषय : मैथिली साहित्यमे वीरेन्द्र झाक योगदान

शोधकर्त्ताक नाम	:	मनिष कुमार
विषय	:	मैथिली
संकाय	:	मानविकी
विश्वविद्यालय	:	ल.ना. मिथिला विश्वविद्यालय, कामेश्वरनगर, दरभंगा
शोध-निर्देशकक नाम	:	डॉ. नरेश कुमार सहायक प्राध्यापक अध्यक्ष, मैथिली विभाग बिलट महथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी, दरभंगा

शोध-निर्देशक

22/04/2024

(डॉ॰ नरेश कुमार)
सहायक प्राध्यापक
अध्यक्ष, मैथिली विभाग
बिलट महथा आदर्श महाविद्यालय,
बहेड़ी, दरभंगा

शोध-प्रज्ञ

Manish Kumar

(मनिष कुमार)
यू.जी.सी. नेट
BR04005974
पैट क्रमांक-22110044
पिता- श्री योगेन्द्र यादव
ग्राम- देवरा, पोस्ट- बेला
थाना-बाबुबरही, जिला- मधुबनी
पिन- 847224, मो. 6205550450

प्रस्तावना:

मैथिली साहित्यमे बहुत साहित्यकार भेलथि जनिकर योगदान विविध विधाक विकास आ समृद्धि बनेबामे महत्त्वपूर्ण रहलनि एहन साहित्यकारमे एकटा वीरेन्द्र झाक नाम सेहो महत्त्वपूर्ण अछि।

पेशासँ प्रख्यात वकीलकें रूपमे जानल जायवाला वीरेन्द्र झा मिथिला मिहिरमे (1975 ई0) सँ अपन लेखन यात्रा आरम्भ कयलनि आ विभिन्न पत्र-पत्रिकाक माध्यमसँ अपन लेखन यात्राकें आगाँ बढ़बैत गेलथि आ मैथिली साहित्यमे पहिल कथा संग्रह 'किछु नहि कहब' (2017 ई0) सँ मैथिली साहित्यमे परिचित भेलाह । वीरेन्द्र झाकें एखन तक बीसटा सँ अधिक पोथीक प्रकाशित भेल अछि आ आन कतेको पोथीक प्रकाशन चलि रहल अछि। चारि सयसँ बेसी कथा लिखनिहार वीरेन्द्र झाक द्वारा छह टा कथा संग्रह प्रकाशित अछि ।

चारि टा आख्यानपरक उपन्यास प्रकाशित अछि। सिहकैत बसात समाजिक समस्या पर आधारित रोचक उपन्यास अछि । आनो मैथिली साहित्यकार लोकनिक द्वारा आख्यानपरक उपन्यास लिखल गेल अछि । राजा सलहेस, लोरिक विजय, विद्यापति, नैका बनिजारा, दुलरा दयाल आदि पर अनेक आख्यानपरक उपन्यास लिखल गेल। जाहिमे ब्रजकिशोर वर्मा मणिपद्मकें नैका बनिजारा पर वर्ष 1973 ई0 मे साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त अछि। मुदा

आधुनिक युगक मिथिलाक महापुरुष लोकनिक पर आख्यानपरक उपन्यास लिखबाक श्रेय वीरेन्द्र झाक छनि।

मैथिली बाल साहित्य पर वीरेन्द्र झाक छह टा पोथी प्रकाशित अछि, अध्ययनतः सर्वाधिक बाल साहित्य लिखबाक श्रेय हिनके छनि । बाल कथा, बाल नाटक आ बाल उपन्यास तीनू प्रकाशित छनि । मैथिलीक प्रथम प्रकाशित बाल नाटक हिनका द्वारा रचित छोट खिखिरक मोट नाँगरि अछि । मैथिली बाल कथा संग्रह 'उड़न-छू' कें लेल वर्ष 2022 मे साहित्य अकादेमीक द्वारा बाल साहित्य पुरस्कार प्राप्त भेल छनि। जाहिमे एहन कथा, सभ अछि जे बच्चा सभकें परम्परा आ प्रगतिकें प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाबय लेल प्रेरित करैत अछि। सरल भाषा मे लिखल गेल एहि कथा सभमे बच्चाकें भाषा प्रकृति, पशु-पक्षी आदिक प्रति उत्तरदायी बनबाक शिक्षा देल गेल अछि, शिक्षा आ वैज्ञानिक चेतनाक एहि कथा सभक मूल मे अछि।

शोध विषयक महत्त्व :

एहि विषयक शोधक महत्व एहु ल'क' बढ़ि जाइत अछि जे मैथिली साहित्य मध्य बाल साहित्यक रचना भ' तँ रहल अछि, मुदा ओकर गिनती आँगुर पर गानय योग्य अछि । बाल साहित्य सृजनमे मैथिलीमे अनेक रचनाकार सक्रिय छथि मुदा बेसी रचना पद्यक भय रहल अछि । एहि मध्य कथा, नाटक आ उपन्यासक कमीकें दूर करबाक आयास वीरेन्द्र झाक

द्वारा कयल गेल अछि । मैथिली साहित्यमे लगभग दू दर्जन पोथी हिनकर प्रकाशित छनि आ गद्य विधामे प्रायः सब क्षेत्रमे प्रकाशन छनि । कथा, उपन्यास संग-संग बाल साहित्य आ आलोचना क्षेत्रमे सेहो योगदान छनि । एहिकें उजागर कए दृष्टिपथ पर आनब हमर शोध-विषयक महत्व अछि ।

शोधक आवश्यकता:

वीरेन्द्र झा बाल साहित्यमे सर्वाधिक लेखन कएने छनि, जाहिमे नव दृष्टिकोणसँ वैज्ञानिक विकासक संग नव तकनिकक कारणें धिया-पुताक सोचबाक तौर-तरिकामे परिवर्तन इंगित करैत अछि । बाल साहित्य संग-संग कथा साहित्य आ उपन्यास साहित्यमे गाम-समाजमे प्रचलित भाषाशैली रहल अछि आ किछु विशिष्ट कारणें हिनका पर शोध कार्य आवश्यक प्रतित भेल।

पूर्वमे कएल गेल शोध विषयक कार्य :

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा आ अन्य विश्वविद्यालयमे एहिसँ पूर्व मैथिली साहित्यमे वीरेन्द्र झा पर शोध-कार्य नहि भेल अछि । एहि कारणें हम एहि विषयपर शोध-कार्य करबाक निर्णय कएलहुँ।

शोधक स्रोत एवं प्रविधि :

वीरेन्द्र झाक विविध विधामे लिखल गेल पोथी हिनकासँ संबंधित रचना, पत्र-पत्रिकामे छपल आलेख, कथा, उपन्यास, नाटक आदि शोधक स्रोत

रहत । संगहि हिनकासँ सम्पर्क कए हिनका संबंधमे विस्तृत जानकारी प्राप्त करब आ पुस्तकालय आदिक सहयोगसँ शोध-कार्य पूर्ण करब ।

शोधक उद्देश्यः

साहित्यकें मनुष्यक आत्मा कहल जाइत अछि आ ई आत्माक बात जे लिखैत अछि ओकरा साहित्यकार कहल जाइत अछि।

वीरेन्द्र झाक मैथिली साहित्यमे लगभग गद्य विधामे प्रायः सब क्षेत्रमे पोथी प्रकाशन छनि कथा, उपन्यास संग-संग बाल साहित्य आ आलोचना क्षेत्रमे सेहो योगदान छनि । बाल साहित्यमे सर्वाधिक लेखन एवं आख्यानपरक उपन्यासमे आधुनिक युगक महापुरुष लोकनि पर लिखल ठोस ओ मौलिक कार्य प्रतीत होइत अछि, संग-संग बाल साहित्यमे परम्परा कें तोड़ि नव दृष्टिकोणसँ वैज्ञानिक विकासक संग नव तकनिकक कारणें धिया-पुताक सोचबाक तौर-तरिकामे परिवर्तन इंगित करैत अछि, बाल नाटकक पोथीक रूपमे प्रथम प्रकाशन अछि आ किछु विशिष्ट कारणें एहि पर सोच आवश्यक प्रतीत भेल, संगे हिनक भाषाशैली गाम-समाज मे प्रचलनक अनुकुल अछि।

शोध-प्रबंधक संभावित रूपरेखाः

प्रस्तावित विषयपर शोध कार्य करबाक हेतु तत्काल एहि 'शोध-प्रबंध' के निम्न अध्यायमे विभक्त कएल गेल अछि । अध्यायक रूपरेखा निम्नवत् अछि-

प्रस्तावना :

पहिल अध्याय : वीरेन्द्र झाक जीवन-परिचय

दोसर अध्याय : वीरेन्द्र झाक कथा साहित्य

तेसर अध्याय : वीरेन्द्र झाक उपन्यास साहित्य

चारिम अध्याय : वीरेन्द्र झाक बाल साहित्य

पाँचम अध्याय : वीरेन्द्र झाक निबंध, आलोचना, संस्मरण आदि

परिशिष्ट :

(क) उपसंहार

(ख) अघीत ग्रंथ सूची

प्रस्तावना :

एहि शोध-प्रबंधक अंतर्गत हम शोध विषयक समस्त बिंदु पर सविस्तार चर्चा करब ।

पहिल अध्याय : वीरेन्द्र झाक जीवन-परिचय

वीरेन्द्र झाक व्यक्तिगत परिचय संग हुनक शिक्षा-दीक्षा आ जीविकोपार्जन कोन-कोन काज कयलनि संगहि जीविकोपार्जनक अतिरिक्त हुनका द्वारा कयल गेल काजक चर्चा एहि अध्यायमे रहत।

दोसर अध्याय : वीरेन्द्र झाक कथा साहित्य

चारि सयसँ बेसी कथा लिखनिहार वीरेन्द्र झाक छह टा' कथा-संग्रह अछि । किछु ने कहब, उड़ी-बिरी, गर्लफ्रैंड, एवॉर्शन, परिस्थिति, उनटा गंगा छनि। हिनकर दू गोट दीर्घ कथा-संग्रह परिस्थिति आ उनटा गंगा मैथिलीक प्रमुख दीर्घ कथा-संग्रह अछि । परिस्थिति कथा-संग्रहमे मात्र एक कथा अछि, जकर नायक सौरभ अछि जे कोनो परिस्थितिमे झुकैत नहि अछि। हिनकर अधिकांश कथा परम्पराक विरोधी अछि । वर्तमान समाजक दोष कें कथामे उघार कयलनि अछि । सामाजिक कुरीति, दलित समस्या, अल्पसंख्यक समस्या, श्रमिकक पलायन, बाल समस्या आदि सभकें कथामे उठाओल गेल अछि । हम ओहि सभ पर विस्तारपूर्वक चर्चा अपन शोध-प्रबंधक एहि अध्यायक अन्तर्गत करब ।

तेसर अध्याय : वीरेन्द्र झाक उपन्यास साहित्य

एहिमे वीरेन्द्र झाक चारिटा आख्यानपरक उपन्यास लाल धधरा, शिलापट्ट, युगपुरूष, निर्मल गंगा जे आधुनिक युगक मिथिलाक महापुरुष लोकनिक पर लिखल गेल अछि । निर्मल गंगा सुरेन्द्र झा सुमन पर केन्द्रित अछि तँ शिलापट्ट महाराज कामेश्वर सिंहक चरित्र-चित्रण करैत अछि आ लाल धधरा कॉमरेड भोगेन्द्र झाक वीरताक बखान करैत अछि । संगहि सिहकैत बसात सामाजिक समस्या पर आधारित रोचक उपन्यास अछि । एहि सभकें हम अपन शोध-प्रबंधमे विस्तारपूर्वक चर्चा एहि अध्यायक अन्तर्गत करब ।

चारिम अध्याय : वीरेन्द्र झाक बाल साहित्य

मैथिली बाल साहित्य पर वीरेन्द्र झाक छह टा' पोथी अछि । घो-घो रानी, उड़न-छू, छोट खिखिरक मोट नाँगरि, प्रण, सप्पत, संकल्प जाहिमे बाल कथा, बाल उपन्यास आ बाल नाटक तीनू अछि । जे बच्चा सभकें परम्परा आ प्रगति कें प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाबै लेल प्रेरित करैत अछि । शिक्षा आ वैज्ञानिक चेतनाक एहि कथा सभक मूलमे अछि । जकर विस्तारपूर्वक चर्चा एहि अध्यायक अन्तगर्त करब ।

पॉचम अध्याय : वीरेन्द्र झाक निबंध, आलोचना, संस्मरण आदि

विभिन्न विषय पर हिनकर लिखल निबंध, ललित निबंध, यात्रा वृतान्त, संस्मरण, आलोचनाक संख्या पर्याप्त अछि जे विभिन्न पत्र-पत्रिका ओ पोथीमे छपल अछि । एहि सभ पर विस्तारपूर्वक चर्चा कएल जायत।

परिशिष्ट :

(क) उपसंहार

शोध-प्रबंधक उपसंहार शीर्षकक अन्तर्गत समस्त शोध-कार्यक सारांश प्रस्तुत कएल जाएत । शोध-कार्यक विभिन्न शोध बिंदुक अंतर्गत जे कार्य कएल जायत तकरा संक्षिप्त रूपें एहूठाम विवेचन कएल जाएत ।

(ख) अधीत ग्रन्थक सूची:

1. झा, वीरेन्द्र, 2017, किछु नहि कहब, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।
2. झा, वीरेन्द्र, 2018, उड़ी-बिरी, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।
3. झा, वीरेन्द्र, 2018, गर्लफ्रैंड, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।
4. झा, वीरेन्द्र, 2019, एबॉर्शन, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।
5. झा वीरेन्द्र, 2019, परिस्थिति, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।
6. झा, वीरेन्द्र, 2020, उनटा गंगा, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।
7. झा, वीरेन्द्र, 2019, सिहकैत बसात, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।
8. झा वीरेन्द्र, 2019, लाल धधरा, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।
9. झा, वीरेन्द्र, 2019, शिलापट्टट, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।

10. झा, वीरेन्द्र, 2019, युगपुरुष, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।

11. झा, वीरेन्द्र, 2018, घो-घो रानी, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।

12. झा, वीरेन्द्र, 2020, उड़न-छू, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।

13. झा, वीरेन्द्र 2021, छोट खिखिरक मोट नाँगरि, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।

14. झा, वीरेन्द्र, 2021, प्रण, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।

15. झा, वीरेन्द्र, 2022, सप्पत, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।

16. झा, वीरेन्द्र, 2022, संकल्प, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।

17. झा वीरेन्द्र, 2020, टीका-टिप्पणी, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।

18. झा, वीरेन्द्र, 2023, निर्मल गंगा, नवारम्भ, श्री भवन, वार्ड नं. 2, राम-जानकी मंदिर, मधुबनी ।

19. झा, रमानन्द रमण, घर-बाहर (पत्रिका), चेतना समिति, पटना ।

20. कर्ण, चन्द्रमोहन, देसिल बयना, हैदराबाद ।

21. झा, अजय नाथ शास्त्री, मैथिल पुनर्जागरण प्रकाशन, मधुबनी ।

शोध-निर्देशक
22/04/2024
(डॉ. नरेश कुमार)
सहायक प्राध्यापक
अध्यक्ष, मैथिली विभाग
बिलट महथा आदर्श महाविद्यालय,
बहेड़ी, दरभंगा

शोध-प्रज्ञ
Manish Kumar
(मनिष कुमार)
यू.जी.सी. नेट
BR04005974
पैट क्रमांक-22110044
पिता- श्री योगेन्द्र यादव
ग्राम- देवरा, पोस्ट- बेला
थाना-बाबुबरही, जिला- मधुबनी
पिन- 847224, मो. 6205550450